समाजशास्त्रीय सिद्धांत: संघर्षवाद III

(Sociological Theory: Conflict Theory III)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

संघर्षवाद: सी. राइट मिल्स

- मिल्स ऐसे अमरीकी समाजशास्त्री हैं जिन्होंने अमरीकी समाज व अर्थव्यवस्था के संदर्भ में संघर्ष सिद्धांत को प्रतिपादित किया।
- कार्ल मार्क्स के विचारों से प्रभावित होने के बावजूद मिल्स स्वयं को मार्क्सवादी नहीं मानते थे।
- मिल्स ने *The New Men of Power,* 1948 में अमरीकी श्रम आंदोलन का अध्ययन किया तथा बताया कि कामगार वर्ग पूंजीवाद को उखाड़ फेंकने में सक्षम नहीं है।
- मिल्स साम्यवाद व समाजवाद की अवधारणाओं पर विश्वास नहीं रखते थे, उनका विश्वास लोकतंत्र व सामाजिक आलोचनावाद के प्रति था।
- मिल्स के अनुसार संघर्ष अनेक वर्गों के मध्य देखने को मिलता है, जिसमें राजनैतिक, व्यापारिक व सैन्य तीनों ही उल्लेखनीय भूमिका निभाते हैं।

प्रमुख कृतियाँ

- *From Max Weber: Essays in Sociology* (with H. Girth), 1946
- *The New Men of Power,* 1948
- *White Collar*, 1951
- *Character and Social Structure* (with H. Girth), 1953
- *The Power Elite*, 1956
- *The Sociological Imagination*, 1959
- *Image of Man*, 1960
- *The Marxists*, 1962

सी. राइट मिल्स: शक्ति

- *The Power Elite*, 1956
- मिल्स के अनुसार किसी भी समाज में सबसे जटिल तत्व शक्ति होती है। इसे प्राप्त करने की इच्छा सभी रखते हैं, लेकिन कुछ के पास ही इसका आधिपत्य रहता है, इन्हें ही अभिजन कहा जाता है।
- मिल्स के अनुसार शक्ति तीन प्रकार की होती है –
  - **सत्ता (Authority):** वर्तमान अमरीकी सरकार
  - **कार्यकुशलता/ चालाकी (Manipulation):** कठपुतली सरकार
  - **अवापीड़क (Coercion):** संपूर्णतावाद, स्टालिनवाद

सी. राइट मिल्स: अभिजन के प्रकार

- मिल्स का मत है कि अभिजन में संस्थागत शक्तियाँ होती हैं, न कि मनोवैज्ञानिक।
- दो प्रकार के अभिजन
  - विभाजित/ खंडयुक्त (Segmental)

    कला, संगीत अथवा विज्ञान आदि क्षेत्र विशेष में निपुण/ कार्य कुशल
  - कूटनीतिक (Strategic)

    वे जो शासन करते हैं।
- मिल्स कूटनीतिक प्रकार के अभिजनों को अपने अध्ययन में शामिल करते हैं तथा अमेरिका (USA) के क्षेत्र विशेष में इस अध्ययन को लागू करते हैं।

सी. राइट मिल्स: शक्ति अभिजन

- मिल्स ने शक्ति अभिजन की परिभाषा आदेश देने वाले पदों पर आसीन व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत की है।
- शक्ति अभिजन समाज में बड़े संगठनों को नियंत्रित करते हैं तथा सैनिक प्रस्थान के लिए दिशा प्रदान करते हैं।
- मिल्स ने शक्ति अभिजन की व्याख्या संस्थागत अभिजन के रूप में की है तथा अमरीकी समाज में तीन प्रमुख संस्थाओं की पहचान की है –
  - प्रमुख व्यापारिक निगम
  - सेना
  - सरकार
- अमरीकी समाज के इन संस्थाओं में आदेशात्मक पदों पर आसीन तीन प्रकार के शक्ति अभिजन –
  - कंपनी अध्यक्ष
  - राजनीतिक नेता
  - सेना का उच्च अधिकारी

सी. राइट मिल्स: शक्ति अभिजन

- मिल्स बताते हैं कि इन तीनों अभिजनों की जीवनशैली, पारिवारिक संबंध तथा स्वयं ही आवश्यक नियमों को निर्धारित करने की क्षमता एक समान होती है।
- तीनों अभिजनों में घनिष्ठता होने के कारण यह समूह काफी मजबूत व शक्तिशाली हो जाता है।
- जबकि,

  अभिजनों में कोई नैतिक/ मनोवैज्ञानिक श्रेष्ठता का गुण नहीं पाया जाता।

  अभिजन नियम अनिवार्य/ आवश्यक नहीं होते हैं अर्थात् इनमें अपरिहार्यता का गुण नहीं पाया जाता।

  जनसाधारण अयोग्य/ अक्षम नहीं होते हैं अर्थात् वह कभी भी अभिजनों को शक्ति विहीन कर सकते हैं।

सी. राइट मिल्स: सफेदपोश कर्मचारी

- *White Collar*, 1951
- मिल्स के अनुसार 1950 के दशक के अंत तथा 1960 के दशक के आरंभ में अमरिका में एक नए वर्ग का उदय हुआ।
- यह पेशेवर लोगों का समूह था, लेकिन उनका पूरी तरह से नियंत्रण नहीं था।
- यह वर्ग अपने पेशे का उपयोग कर निर्धारित कार्यों को करने के बजाय अपने लिए संसाधनों का एकत्रीकरण करता है।
- मिल्स से पूर्व इस अवधारणा का उपयोग सदरलैंड द्वारा किया गया है। उनके शब्दों में, *'एक ऐसा अपराध जो व्यवसाय की क्रियाकलापों के दौरान समाज में उच्च प्रस्थिति एवं प्रतिष्ठा प्राप्त व्यक्तियों द्वारा (आपराधिक कानून के उल्लंघन से) किया जाता है, उसे सफेदपोश अपराध कहते हैं।'*

सी. राइट मिल्स: समाजशास्त्रीय कल्पना

- *The Sociological Imagination*, 1959
- Sociology of Coffee
- मिल्स ने इसे 'अनुभव तथा व्यापक समाज के बीच संबंधों की विषद जागरूकता' के रूप में प्रस्तुत करते हैं।
- इस अवधारणा के सहारे वे सामाजिक वास्तविकता की दो अलग–अलग व अमूर्त अवधारणाओं 'व्यक्ति' तथा 'समाज' को समेटने की कोशिश करते हैं।
- मिल्स के अनुसार समाजशास्त्रीय कल्पना के प्रयोग के माध्यम से हम अपने आप को उचित ऐतिहासिक संदर्भ में सही ढंग से रख सकते हैं, इसलिए स्वयं को और अपने जीवन को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।
- इस तरह, उनका उद्देश्य इतिहास तथा जीवनी के बीच के अंतर्संबंध को साबित करना है, और ये दोनों कैसे अनिवार्य रूप से प्रकृति में पूरक हैं। जैसे हमें पहले इतिहासकार को उसके द्वारा लिखे गए इतिहास को समझने की जरूरत है, ठीक वैसे ही पहले किसी भी घटना के समाजशास्त्रीय महत्व को समझने की जरूरत है और फिर उसके अनुसार उसका विश्लेषण करना होगा।
- यह समाजशास्त्रीय कल्पना की अवधारणा का प्राथमिक महत्व है तथा यह हमें न केवल समाज को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, बल्कि खुद को संस्थाओं के रूप में समझने में भी मदद करता है।

Next Class:

समाजशास्त्रीय सिद्धांत: संघर्षवाद IV

(Sociological Theory: Conflict Theory IV)